

ये अव्यक्त इशारे

कम्बाइण्ड रूप की स्मृति से सदा विजयी बनो

26-04-2025

जैसे शिव-शक्ति कम्बाइण्ड रूप है ऐसे पाण्डवपति और पाण्डव यह सदा का कम्बाइण्ड रूप है। पाण्डवपति पाण्डवों के सिवाए कुछ नहीं कर सकते। जो ऐसे कम्बाइण्ड रूप में सदा रहते हैं उनके आगे बापदादा साकार में जैसे सब सम्बन्धों से सामने होते हैं। जहाँ बुलाओ वहाँ सेकण्ड में हाज़िर इसलिए कहते हैं हाज़िरा हज़ूर।

Remain constantly victorious with the awareness of the combined form

Just as Shiv Shakti is a combined form, in the same way, Pandavpati (Lord of the Pandavs) and the Pandavas have always been a combined form. Pandavpati cannot do anything without the Pandavas. For those who constantly stay in this combined form, it is as though BapDada is in front of them in the corporeal form in all relationships. Wherever you are, when you call Him, He becomes present in a second and this is why it is said, "The Lord is ever present."